याला ग्लेशियर के मृत होने की घोषणा

स्रोत: डाउन टू अर्थ

इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (ICIMOD) द्वारा नेपाल के **लांगटांग घाटी** स्थित याला ग्लेशियर के तेज़ी से पिघलने की स्मृति में एक श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। जलवायु परिवर्तन के कारण यह ग्लेशियर **वर्ष 2040 तक विलुप्त होने की कगार** पर है।

- **यह श्रद्धांजलि संयुक्त राष्ट्र के** अंतरराष्ट्रीय ग्लेशियर संरक्षण वर्ष 2025 में नेपाल की भूमिका का हिस्सा है तथा नेपाल द्वारा आयोजित **सागरमाथा संवाद (पर्वत संवाद) शिखर सम्मेलन 2025** का भी हिस्सा है।
- **याला ग्लेशियर**: **याला ग्लेशियर,** नेपाल की **लांगटांग घाटी में हिंदू कुश हिमालय (HKH) क्षेत्र** के अंतर्गत स्थित है। यह नेपाल का पहला ग्लेशियर है जिसे **"मृत" (डेड ग्लेशियर)** घोषित किया गया है, क्योंकि 1970 के दशक से अब तक इसका **66% हिस्सा कम हो चुका है**।
  - ग्लेशियरों को तब **"मृत" घोषित** कर दिया जाता है जब वे अपने भार के कारण गति या हलचल नहीं दिखाते हैं।
  - **यह एशिया का पहला ग्लेशियर है जिस पर जलवायु स्मारक पट्टिका लगी हुई है, जिस पर अंग्रेज़ी, नेपाली और तिब्बती भाषाओं में संदेश लिखे हुए हैं।**

- **हिमनद (ग्लेशियर):** ग्लेशियर हिम और हिम की चादरों का एक बड़ा, लंबे समय तक रहने वाला समूह है जिसका निर्माण भूमि पर होता है तथा गुरुत्वाकर्षण के कारण धीरे-धीरे नीचे की ओर बढ़ता है।
  - **हिमनद मुख्य रूप से अंटार्कटिका (91%) और ग्रीनलैंड (8%)** में पाए जाते हैं, जबकि 1% से भी कम उत्तरी **अमेरिका, एशिया, यूरोप, अफ्रीका, न्यूज़ीलैंड और इंडोनेशिया** में मौजूद हैं। **ऑस्ट्रेलिया में कोई हिमनद नहीं है।**
  - **वर्ष 2000 और 2023** के बीच, ग्लेशियरों से **6,542 बिलियन टन हिम विगलित हुई है**, जिससे **वैश्विक समुद्र के स्तर में 18 मिमी की वृद्धि हुई,** समुद्र के स्तर में प्रति मिलीमीटर वृद्धि से 2-3 लाख अतिरिक्त **लोग बाढ़ की चपेट में आ जाएंगे।**
  - **महासागरों के गर्म होने** के बाद **ग्लेशियरों का विगलन** समुद्र स्तर में वृद्धि का **दूसरा सबसे बड़ा कारण** है।

और पढ़ें: 2025 ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतरराष्ट्रीय वर्ष होगा

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/yala-glacier-declared-dead